Seventeenth Loksabha

>

Title: Demand to open a steel plant in Bayyaram in Mahabubabad Parliamentary Constituency, Telangana.

श्रीमती कविता मलोथू (महबूबाबाद): माननीय अध्यक्ष महोदय, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की इस संसद में मुझे पहली बार अपनी बात कहने का मौका आपने दिया है, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ ।

मैं तेलंगाना राज्य के महबूबाबाद संसंदीय क्षेत्र की सांसद हूँ । यहाँ की लगभग 60 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति की है । आज बड़े गर्व के साथ मैं कहती हूँ कि उस प्रांत से सांसद बनने वाली मैं पहली अनुसूचित जनजाति की महिला हूँ । मैं इसका सारा श्रेय हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री के. चन्द्रशेखर राव जी को देती हूँ और उनका आभार व्यक्त करती हूँ । उस क्षेत्र के लोगों ने मुझे बड़ी आशा के साथ भारी बहुमत से जिताकर सांसद बनाकर भेजा है । अब मेरा फ़र्ज है कि मैं महबूबाबाद संसदीय क्षेत्र के विकास और खास करके अनुसूचित जनजातियों के विकास पर जोर दूँ ।

इस संबंध में, मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहती हूँ । आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के डिवीज़न के वक्त केन्द्र सरकार ने तेलंगाना राज्य के हित में कई वायदे किये थे, जिनमें से एक वायदा मेरे संसदीय क्षेत्र के बय्यारम में इस्पात का कारखाना स्थापित करना था, जो विभाजन के छह साल बाद भी अधूरा है । बय्यारम इस्पात कारखाना लगने से कम-से-कम 20 हजार लोगों को काम मिल सकता है, जिसका सबसे ज्यादा फायदा अनुसूचित जनजाति के युवाओं को मिलेगा ।

लेकिन मैं बड़े दुख के साथ बताना चाहती हूँ कि आज तक अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए केन्द्र सरकार की तरफ से कोई भी योजना नहीं है । अनुसूचित जनजातियों के समावेशी विकास के लिए गंभीर रूप से विचार करना चाहिए ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करती हूँ कि मेरे संसदीय क्षेत्र की बेरोज़गारी को हटाने और युवाओं के विकास के लिए बय्यारम इस्पात कारखाना चालू करने के साथ ही वहाँ मध्यम और लघु उद्योगों की स्थापना की जाए ।

महोदय, आज मैं एक और बात कहना चाहती हूँ । हमारे माननीय मुख्यमंत्री श्री के. चन्द्रशेखर राव जी आदिवासियों और बंजारों की समस्याओं को हटाने के लिए बहुत-से काम कर रहे हैं । कल मुझसे एक एम.पी. बात कर रहे थे, कुछ भी काम हो, तो हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी को करना चाहिए ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती कविता मलोथू द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।